

Bada rasila rishta hai bhabhi aur debar ke bich... | Sagi Bhabhi ki chudai kahani

Published on सितम्बर 16, 2019 | By Riya Kumari



Sagi Bhabhi ki chudai kahani, हेल्लो दोस्तो, मेरा नाम राहुल है, बरोदा में रहता हूँ, उम्र 22 साल है! यह मेरी पहली कहानी है लेकिन है सच्ची ! यह घटना एक साल पहले मेरे साथ हुई थी। मैं इसमें कुछ गंदी भाषा का प्रयोग भी कर रहा हूँ लेकिन सिर्फ़ रोचक बनाने के लिये। यह सिर्फ़ मुझे और मेरी भाभी को ही पता है

और अब आप को। मेरे भैया की शादी दो साल पहले ही हुई है। भाभी का नाम अर्चना है। भाभी बहुत ही सेक्सी ,गोरी, स्लमि है। उनका बदन बहुत सुडौल है। भैया एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी में मुम्बई में सी ए हैं। वो कभी कभी आते हैं। भाभी को देख देख कर मैं तो जैसे पागल हुआ जा रहा था। किसी न किसी तरह भाभी को छूने की कोशिश करता रहता था।

वो जब मेरे कमरे में झाड़ू लगाने आती तो जैसे ही झुकती तो मेरा ध्यान सीधे उनके ब्लाउज़ के अंदर चला जाता। क्या गजब चूचरियाँ हैं उनकी ! जी करता है कपिकड़ कर मसल दूँ। पर मैं तो सिर्फ़ उन्हें देख ही सकता था। भाभी और मुझ में बहुत ही अच्छी जमती थी। हम हंसी मजाक भी कर लेते थे। पर कभी भी घर में अकेले नहीं होते थे, कोई न कोई घर में रहता ही था। मैं सोचता था

Hindi Kahani Bhabhi ki Chudai

ककिश एक दिन मैं और भाभी अकेले रहे तो शायद कुछ बात बने। सर्दी का मौसम था घर के सभी सदस्यों को एक रश्तिदार की शादी में चेन्नई जाना था। भैया तो रहते नहीं थे। मम्मी पापा, मैं और भाभी ही थे। पापा ने कहा- शादी में कौन कौन जा रहा है?

मैंने कहा- मेरी तो परीक्षा आ रही है। मैं तो नहीं जा पाऊँगा।मम्मी बोली- चलो ठीक है, इसकी मरजी नहीं है तो यह यहीं रह लेगा पर इसके खाने की समस्या रहेगी।इतने में मैं बोला- भाभी और मैं यहीं रह जायेंगे, आप दोनों चले जायें।सबको मेरा वचन सही लगा। **Bhabhi Ki Chudai**

~~~~~ | ~~~~~

अगले दिन मम्मी पापा को मैं रेलगाड़ी में बठा आया। अब मैं और भाभी ही घर में थे। भाभी ने आज गुलाबी साड़ी और ब्लाउज़ पहन रखा था, ब्लाउज़ में से क्रीम रंग की ब्रा साफ़ देख रही थी। मैं तो अपने को काबू ही नहीं कर पा रहा था। पर भाभी को कहता भी तो क्या।भाभी बोली- थैंक यू देवर जी।मैंने कहा- कसि बात का?भाभी बोली- मेरा भी जाने का मूड नहीं था।

अगर आपकी पढ़ाई खराब न हो तो आज सनिमा चले?मैंने कहा- चलो। पर कोई अच्छी मूवी तो लग ही नहीं रही है, सरिफ़ मर्डर ही लगी हुई है।भाभी बोली- वही चलते हैं।मैं चौक गया।भाभी कपड़े बदलने चली गई। वापस आई तो उन्होंने गहरे गले का ब्लाउज़ पहना था, उनके ब्रा और चूचों के दर्शन हो रहे थे।मैंने कहा- भाभी, अच्छी देख रही हो !भाभी बोली- थैंक्स !हम सनिमा हाल गये।

## Bhabhi Ki Chudai Audio Kahani

हमें इतफ़ाक से सीट भी सबसे ऊपर कोने में मली।फ़िल्म शुरू हुई, मेरा लंड तो काबू में ही नहीं हो रहा था। अचानक मल्लिका का कपड़े उतारने वाला सीन आया।मैं देख रहा था कि भाभी के मुँह से सीत्कारें निकलनी शुरू हो गई और भाभी मेरा हाथ पकड़ कर मसलने लगी।

मेरा भी हौसला बढ़ा, मैंने भी भाभी के कंधे पर हाथ रख दिया और धीरे-धीरे सहलाने लगा। हाल में बिल्कुल अंधेरा था। मेरा हाथ धीरे-धीरे भाभी के वक्ष पर आ गया।भाभी ने भी कुछ नहीं कहा, वो तो फ़िल्म का मज़ा ले रही थी। अब मैं भाभी के चूचों को मसल रहा था और अब मैंने उनके ब्लाउज़ में हाथ डाल दिया। भाभी सरिफ़ ससिकारियाँ भरती रही और मुझे सहयोग करती रही।अब फ़िल्म खत्म हो चुकी थी, हम दोनों घर आ गये।मैंने पूछा- क्यों भाभी? कैसी लगी फ़िल्म?भाभी बोली- मस्त !मैंने कहा- भाभी भूख लगी है।हम दोनों ने साथ खाना खाया। मैं अपने कमरे में चला गया।इतने में भाभी की अवाज़ आई- क्या कर रहे हो देवर जी? जरा इधर आओ ना !

मैं भाभी के बेडरूम में गया तो भाभी बोली- यह मेरी ब्रा का हुक बालों में अटक गया है, प्लीज़ निकाल दो।भाभी सरिफ़ ब्रा और पेटिकोट में ही थी। उसने क्रीम रंग की ब्रा पहन रखी थी। मैंने ब्रा खोलने के बहाने उनके स्तनों को भी मसल दिया और पूरी पीठ पर हाथ फ़रि दिया।

~~~~~ | ~~~~~

मैंने कहा- भाभी लो खुल गई ब्रा !मैंने ब्रा को झटके से नीचे गिरा दिया। अब भाभी ऊपर से पूरी नंगी हो चुकी थी। हम दोनों पूरी मस्ती में आ चुके थे।भाभी बोली- देवर जी, भूख लगी है तो दूध पी लो !मैंने भाभी को उठाया और बसिटर पर ले गया।

BHabhi Ki Seal Todi chudai Ki Kahani

उनका पेटीकोट भी खोल दिया, अब वो पूरी नंगी हो चुकी थी और मैं भी। मैंने शुरुआत ऊपर से ही करना मुनासबि समझा और भाभी के लाल लपिस्टकि लगे रसीले होठों को जम कर चूसा। उसके बाद बारी आई उनकी छाती की जसि पर दो मोटी मोटी दूध की टंकियाँ लगी थी। उनके चुचूक का सबसे आगे का हसिसा बलिकुल भूरा था। मैंने भाभी के चूचों को इतना मसला और चूसा कसिच में ही दूध नकिल आया।

मैंने दोनों का जम कर आनंद लिया। भाभी के मुँह से तो बस ससिकारयिँ ही नकिल रही थी- आह आआ आ अह आह !अब मैं वक्ष से नीचे भाभी **sagi Bhabhi ki chudai kahani** की चूत पर आया।क्या साफ़ चूत थी, एक भी बाल नहीं।मैंने पहले तो भाभी की चूत को खूब चाटा, फरि नग्न फ़िल्मों की तरह जोर जोर से उंगली करने लगा।भाभी आअह आआआह देवर जी कर रहे थी।फरि मैंने भाभी को घोड़ी बनने के लिये कहा।

भाभी घोड़ी बन गई, मैंने अपना लंड चूत में डाल दिया और जोर जोर से चोदने लगा।इस तरह मैंने तीस मनिट तक भाभी को अलग अलग अवस्थाओं में चोदा, सोफ़े पर भी !अब मैं थक गया था।भाभी बोली- तुमने तो मेरे बहुत मज़े ले लएि, मेरे शानदार चूचे चूस-चूस और मसल मसल कर लटका और

□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□... | □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□

खाली कर दएि, अब मेरी बारी है।मैं लेट गया। भाभी मेरे ऊपर चढ़ गई और मेरे सीने पर मसलने और चूसने लगी और मेरे भी छोटे दूध नकाल दयि। मैं भी भाभी के दूधों को मसल रहा था।

Hindi Bhabhi Ki Chudai ki Kahaniyaa

फरि भाभी मेरे लंड को पकड़ कर चूसने लगी। करीब 15 मनिट तक उसने मेरे लंड को चूसा। अब हम दोनों को नींद आ रही थी। हम उसी हालत में सो गये।सुबह उठ कर हम दोनों साथ ही टब में नहाये और मैंने भाभी के एक एक अंग को रगड़-रगड़ कर धोया।

इसके बाद भी हम 2-3 दनि तक सेक्स का आनंद लेते रहे।अब भी कभी मौका मलिता है तो हम शुरु हो जाते हैं। साथ में घर पर ही नेट पर साइट्स देखते हैं, **sagi bhabhi ki chudai kahani** पढ़ते हैं।मुझे तो साड़ी सेक्स बहुत पसंद है। एक एक कपड़ा ब्लाउज, साडी, ब्रा, पेटीकोट खोलने का मज़ा कुछ और ही है। मैं अपनी ड्रीम गर्ल को भी साड़ी में ही देखना चाहता हूँ।

Read More Stories...

■■■■ ■■■■■ ■■ ■■■■ ■■■ ■■■■ ■■■ -2 | devar

bhabhi sex story

■■■■■ ■■■■■ ■■ ■■■■ ■■ ■■■■ -2 | indian

bhabhi ki chudai